बीएचईएल ने लक्ष्यद्वीप समूह में ग्रिड-इन्टरेक्टिव सोलर पावर प्लांट की स्थापना हेतु एक बड़ा टर्न-की ऑर्डर प्राप्त किया

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने लक्ष्यद्वीप समूह में पर्यावरण के अनुकूल 1110 केडब्ल्यू के ग्रिड-इन्टरेक्टिव सोलर पावर प्लांट की स्थापना हेतु एक टर्न-की ऑर्डर प्राप्त किया है ।

लगभग 35 करोड़ रूपये मूल्य का यह ऑर्डर, लक्ष्यद्वीप की राजधानी कवाराती सहित आठ द्वीपों में सोलर फोटोवाल्यटायिक (एसपीवी) की स्थापना हेतु लक्ष्यद्वीप प्रशासन ने प्रदान किया है । इसके अतिरिक्त इस ऑर्डर में इन द्वीपों पर स्थापित किये गये 800 केडब्ल्यू के सोलर पावर प्लांटों का नवीकरण भी शामिल है ।

बीएचईएल इस ऑर्डर के तहत लक्ष्यद्वीप के विभिन्न द्वीपों पर 1100 केडब्ल्यू के सोलर पावर प्लांटों के डिजाइन, विनिर्माण, आपूर्ति और स्थापना का कार्य और इसके अलावा पहले से स्थापित 800 केडब्ल्यू पावर प्लांटों के नवीकरण का कार्य करेगी । नये पावर प्लांटों की स्थापना मई 2011 तक और नवीकरण कार्य फरवरी, 2012 तक पूरा कर दिया जायेगा ।

बीएचईएल इस समय कर्नाटक पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) के लिए उत्तरी कर्नाटक के रायचुर जिले के यापालनिडि गांव में 3 मेगावाट की क्षमता के पर्यावरण के अनुकूल ग्रिड इन्टरेक्टिव सोलर पावर प्लांट की स्थापना कर रही है ।

भारत में सबसे बड़े सोलर पावर आधारित द्वीप इलेक्ट्रीफिकेशन परियोजना के अन्तर्गत बीएचईएल ने लक्ष्यद्वीप में कुल 11 सोलर पावर प्लांटस चालू किये हैं, जो अरब सागर में कोरल द्वीपों में एक मेगावाट सोलर पावर की विद्युत उत्पादन करते हैं । उल्लेखनीय है कि बीएचईएल के सोलर पावर प्लांट संघ शासित प्रदेशों की 15% विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति करती है ।

अपने तीन दशकों के अपार अनुभव के साथ बीएचईएल भारत में सोलर फोटोवाल्यटायिक और सोलर पावर प्लांटों के क्षेत्र में एक प्रमुख कम्पनी है । एसपीवी माडयूल्स का विनिर्माण कम्पनी के अति आधुनिक विनिर्माण सुविधाओं से युक्त बंगलौर स्थित प्लांट में किया जाता है । भारत सरकार के हरित ऊर्जा कार्यक्रम को बढ़ावा देते हुए बीएचईएल ने एसपीवी माडयूल की विनिर्माण क्षमता को तीन मेगावाट से बढ़ा कर आठ मेगावाट प्रति वर्ष किया है । अतिरिक्त एसपीवी विनिर्माण सुविधा के फलस्वरूप बीएचईएल, बड़े और पतले सोलर ग्रेड मोनो/मल्टी क्रिस्टलाइन सिलिकॉन वैफर को हैंडिल करने में सक्षम हुआ है, जिसके परीक्षण प्रक्रिया को सफलतापूर्क पूरा कर लिया गया है ।

छोटे अनुप्रयोगों जैसे सोलर पावर स्ट्रीट लाईटनिंग, रूरल वाटर पंपिंग सिस्टम, रेलवे सिगनलिंग, ऑफश्योर ड्रिलिंग प्लेटफार्म आदि से शुरू कर बीएचईएल ने देश के बड़े शहरों और दूर-दराज के क्षेत्रों

में बड़े आकार के स्टेन्ड अलोन के साथ-साथ ग्रिड-इन्टरेक्टिव सोलर पावर प्लांटस की आपूर्ति कर उन्हें चालू किया है । कम्पनी के एसपीवी पावर प्लांटस की वजह से लक्ष्यद्वीप, पश्चिमी बंगाल के सागर द्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़ के जन-जाति के क्षेत्र, झारखंड आदि में लोगों के रहन-सहन में सुधार हुआ है ।

बीएचईएल द्वारा विनिर्मित सोलर सैल और मॉडयूल्स विभिन्न देशों जैसे, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, और इटली को निर्यात भी किये जाते हैं । कम्पनी के पीवी माडयूल्स इटली की जेआरसी, इस्परा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रमाणित हैं ।

बीएचईएल ने 3,700 करोड़ रूपये के प्रथम 700 मेगावाट सुपर क्रिटीकल थर्मल यूनिट हेतु ईपीसी अनुबन्ध प्राप्त किया

नई दिल्ली, 07 अक्तूबर: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने कड़ी अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में एल.एन्ड टी.को पीछे छोड़ते हुए, प्रथम 700 मेगावाट सुपरक्रिटिकल पेरामीटरों के साथ कोल-फायरड थर्मल यूनिट हेतु एक ऑर्डर प्राप्त किया है ।

3,700 करोड रूपये मूल्य का यह टर्न-की ऑर्डर बीएचईएल को कर्नाटक में बिलारी थर्मल पावर स्टेशन (टीपीएस) की 700 मेगावाट सुपरक्रिटिकल यूनिट-3 की स्थापना हेतु कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) ने सौंपा है । इस ऑर्डर के साथ केपीसीएल ने बीएचईएल की तकनीकी श्रेष्ठताओं और इस प्रकार की पावर परियोजनाओं को निष्पादित करने की बीएचईएल की क्षमताओं में अपने विश्वास को दर्शाया है ।

बिलारी थर्मल पावर स्टेशन की यूनिट-1 पहले ही बीएचईएल के 500 मेगा वाट थर्मल यूनिट से सुसज्जित है और बीएचईएल द्वारा यूनिट-2 का कार्य इस समय निष्पादित किया जा रहा है । इसके साथ ही बीएचईएल ने कर्नाटक में सबसे अधिक पावर उत्पादन उपस्करों के ऑर्डरों को प्राप्त करने के अपने रिकार्ड को बनाये रखा है । बीएचईएल ने कर्नाटक में विभिन्न श्रेणी के थर्मल के साथ-साथ हाइड्रो यूनिटों के लगभग 5,000 मेगावाट विद्युत उत्पादन उपस्करों को चालू किया है ।

कर्नाटक में बीएचईएल, रायचुर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) के 2X800 मेगावाट येरामारूस सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन को भी निष्पादित कर रही है जो केपीसीएल और बीएचईएल का एक संयुक्त उद्यम है जिसकी स्थापना कर्नाटक में सुपरक्रिटिकल पावर प्लांटों के विनिर्माण, स्वामित्व और प्रचालन हेतु की गई है ।

बीएचईएल पहले ही सुपरक्रिटिकल पेरामीटरों के साथ एनटीपसी के 2X660 बार थर्मल पावर प्रोजेकट-II और जेपी समूह की 3X660 परायगराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के लिए मुख्य प्लांट उपस्करों की आपूर्ति के बड़े ऑर्डरों को निष्पादित कर रही है । इसके अतिरिक्त बीएचईएल - ऐपी जेनको के 2X800 मेगावाट, कृष्णापटनम थर्मल पावर परियोजना के लिए सुपरक्रिटिकल स्टीम जेनरेटरों की आपूर्ति के ऑर्डर को निष्पादित कर रही है जो कि पूरा होने के अन्तिम चरण में है ।

बीएचईएल ने सब-क्रिटिकल से 660/800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल सेटों और उससे उपर के सेटों को उन्नत करने के लिए अपनी तकनीक को अद्यतन किया है । सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर परियोजनाओं में देश को विद्युत क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए बीएचईएल ने अल्सथॉम, फ्रांस और सीमेन्स, जर्मनी के साथ तकनीकी हस्तांतरण हेतु समझौता किया है ।

बीएचईएल ने 15,000 मेगावाट प्रति वर्ष विद्युत की आपूर्ति हेतु क्षमताओं को स्थापित किया है और इसे बढ़ा कर 20,000 मेगावाट प्रति वर्ष करने का कार्य प्रगति पर है । वित्तीय वर्ष 2009-10 के दौरान देश की कुल उत्पादित विद्युत में रिकार्ड 74% का योगदान बीएचईएल सेटों द्वारा किया गया जो देश की कुल संस्थापित क्षमता का दो तिहाई है ।